

निश्चय से ही सम्भव है। इसी को सम्भव देखकर
कहा गया है। सम्भव और संभव देखकर
के साथ अनुसूच के वास्तव, इन्द्रिय और मन
के संगत करने के लिए सम्भव परिणत
ही आवश्यकता होती है। इस लिए सम्भव
का, सम्भव देखकर और सम्भव परिणत
ही मन के आवश्यक भाग गया है।

दार्शनिक उमा शशि का कथन है कि -

"सम्भव - देखकर - और - परिणत - ही - सम्भव"
अर्थात् देखकर में इसके परिणत के नाम से सम्भव
जाता है और इसके और और सम्भव सम्भव

① सम्भव देखकर - सम्भव देखकर सम्भव ही कि
जीव के सम्भवता तथा सम्भवता के सम्भव
सम्भव के सम्भव सम्भव दिखलाई देती है।
ही। इस लिए अनुसूच के और के प्रति सम्भव
और सम्भवता के प्रति सम्भवता का उद्देश्य ही
साक्ष्य। इस ही जीव देखकर सम्भव देखकर
कहा है। अर्थात् सम्भव के प्रति सम्भवता का सम्भव
सम्भव सम्भव देखकर सम्भव जाता है। सम्भव
सम्भव देखकर के सम्भव ही कि दिख दिखता

② सम्भव और - सम्भव और ही कि सम्भव
ही कि जीव और सम्भव के सम्भव सम्भवता
सम्भव सम्भव और सम्भव ही कि सम्भवता के
सम्भव सम्भव के सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव
ही सम्भव ही कि सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव
सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव
सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव सम्भव

(11) असम-प्रदेश - भारत की एक विशाल
 राज्य है जिसका नाम असम है। यह भारत का
 एक महत्वपूर्ण राज्य है। इस राज्य में
 असमिया भाषा बोलि जाती है। यह राज्य
 भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है।
 इस राज्य में असमिया भाषा बोलि जाती है।
 यह राज्य भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है।
 इस राज्य में असमिया भाषा बोलि जाती है।
 यह राज्य भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है।
 इस राज्य में असमिया भाषा बोलि जाती है।
 यह राज्य भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है।
 इस राज्य में असमिया भाषा बोलि जाती है।
 यह राज्य भारत का एक महत्वपूर्ण राज्य है।

[illegible]

১৯৩৭ সালের ১৫ই আগস্ট তারিখে
 প্রাপ্ত হইল।

பொருள் அறிவுகள் அனைத்துமே உயர்ந்தவையாகியவை.

(iii) $\frac{1}{2} \times \frac{1}{2} = \frac{1}{4}$

1. ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਨੇ ਮੇਰੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਇੱਕ ਕਮਰਾ ਲਿਆ।
 2. ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਨੇ ਮੇਰੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਇੱਕ ਕਮਰਾ ਲਿਆ।
 3. ਮੇਰੇ ਪਿਤਾ ਨੇ ਮੇਰੇ ਨਾਮ 'ਤੇ ਇੱਕ ਕਮਰਾ ਲਿਆ।

(iv) ग्रहण युग - जब चंद्रमा सूर्य के अक्ष के समानांतर में अपनी कक्षा में घूमता है, तो यह ग्रहण होता है। ग्रहण होने के समय सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में आ जाते हैं। इससे चंद्रमा का एक हिस्सा सूर्य के प्रकाश से ढक जाता है। ग्रहण होने के समय चंद्रमा का रंग लाल हो जाता है। ग्रहण होने के समय सूर्य, चंद्रमा और पृथ्वी एक सीध में आ जाते हैं। इससे चंद्रमा का एक हिस्सा सूर्य के प्रकाश से ढक जाता है। ग्रहण होने के समय चंद्रमा का रंग लाल हो जाता है।

4) अपरिहार - जो के मनुष्य के मनुष्य के
प्राप्त करने के लिए सभी विधियों के द्वारा
हो जाता अपरिहार अपरिहार के प्रत्येक
वृत्ति विषयों के परिणाम के लिए अपरिहार
इच्छा मुख्य विषयों के लिए अपरिहार
रूप में, अपरिहार अपरिहार के लिए अपरिहार
मनुष्य के लिए अपरिहार अपरिहार

महाराष्ट्र राज्य सरकार

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णाय नमः ॥ श्रीगुरुभ्यो नमः ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ श्रीविष्णवे नमः ॥
 श्रीशिवाय नमः ॥ श्रीब्रह्माय नमः ॥
 श्रीनारायणाय नमः ॥ श्रीहरिभ्यो नमः ॥
 श्रीमद्वेदाय नमः ॥ श्रीसंस्कृतभाषाय नमः ॥
 श्रीमहाभारतस्य श्रीकुरुक्षेत्रपर्वस्य श्रीअर्जुनसमवायस्य श्रीकृष्णस्य श्रीवचनस्य श्रीश्रवणाय नमः ॥
 श्रीमहाभारतस्य श्रीकुरुक्षेत्रपर्वस्य श्रीअर्जुनसमवायस्य श्रीकृष्णस्य श्रीवचनस्य श्रीश्रवणाय नमः ॥